देहरादून (उत्तराखण्ड)

रविवार 11.11.2024

समय 1305

मुख्य समाचार :–

- न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने राष्ट्रपति भवन में भारत के 51वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली।
- समान नागरिक संहिता अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूर्व आईएएस शत्रुघ्न सिंह की अध्यक्षता में चार सदस्यीय क्रियान्वयन समिति का गठन किया गया।
- प्रदेश में इगास– बग्वाल का त्यौहार कल मनाया जाएगा, सरकार ने राजकीय अवकाश की घोषणा की।
- बदरीनाथ धाम यात्रा अपने अंतिम चरण में, 17 नवंबर को रात नौ बजकर 7 मिनट पर बंद होंगे मंदिर के कपाट।
- केदारघाटी में पुनर्निर्माण कार्य युद्धस्तर पर जारी।

मुख्य न्यायाधीश

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने आज भारत के 51वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में न्यायमूर्ति खन्ना को पद की शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ का स्थान लेंगे, जिन्होंने कल पद छोड़ दिया था। समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्री और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों सहित अन्य लोग शामिल हुए।

समान नागरिक संहिता

समान नागरिक संहिता अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूर्व आईएएस शत्रुघ्न सिंह की अध्यक्षता में चार सदस्यीय क्रियान्वयन समिति गठित की गई है, जिसे राज्यपाल ने मंजूरी दे दी है। यह समिति यूसीसी के क्रियान्वयन से संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों व कार्मिकों को प्रशिक्षण, मार्गदर्शन, पोर्टल आदि में मार्गदर्शन और परामर्श सहायता प्रदान करेगी। समिति में दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल, समाजसेवी मनु गौड़, अपर पुलिस महानिदेशक अमित सिन्हा और स्थानिक आयुक्त अजय मिश्रा शामिल हैं।

इगास बग्वाल

प्रदेश में कल इगास बग्वाल का त्योहार मनाया जायेगा। इस अवसर पर प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। इगास दिवाली के 11वें दिन बाद यानी एकादशी को उत्तराखंड में इगास यानी बूढ़ी दिवाली मनाई

जाती है। गढ़वाल में सदियों से दिवाली को बग्वाल के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर घरों में दीये जलाए जाते हैं और विभिन्न तरह के पकवान बनाए जाते हैं।

कुमाऊं के क्षेत्र में इसे बूढ़ी दीपावली के रूप में मनाया जाता है। इस पर्व के दिन मीठे पकवान बनाए जाते हैं। रात में स्थानीय देवी–देवताओं की पूजा अर्चना के बाद ढोल दमाऊं के साथ आग के चारों ओर लोक नृत्य किया जाता है और भैलो खेलते हैं।

खेल आयोजन

उत्तराखंड में 38 वे राष्ट्रीय खेलों की तैयारियां जोरों पर हैं। अगले वर्ष 28 जनवरी से 14 फरवरी तक राष्ट्रीय खेलों का आयोजन किया जाएगा। खेल विशेष प्रमुख सचिव अमित सिंहा ने बताया कि खेलों के आयोजन के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। खेलों के सफल आयोजन के लिए पांच समितियों का भी गठन किया गया है। इसमें गेम्स टेक्निकल कंडक्ट समिति– जीटीसीसी का गठन होने से राष्ट्रीय खेलों के दौरान आयोजित होने वाली स्पर्धाओं और उनके आयोजन स्थलों को लेकर अंतिम निर्णय लिया जा सकेगा। उन्होंने हमारी तैयारी शत प्रतिशत है।

अधीनस्थ सेवा चयन आयोग

अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने राज्य में 14 सहायक अध्यापकों की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया है। इन पदों के लिए 14 नवंबर से ऑनलाइन आवेदन शुरू होंगे, जबकि आवेदन की अंतिम तिथि 10 दिसंबर है। लिखित परीक्षा 23 फरवरी 2025 प्रस्तावित की गई है। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने जनजातीय कल्याण विभाग के तहत सहायक अध्यापक के पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया है। आयोग की ओर से जारी विज्ञापन के मुताबिक, सहायक अध्यापक प्राइमरी के 15 और सहायक अध्यापक एलटी कंप्यूटर के 12 पदों पर भर्ती की जाएगी।

अधीनस्थ सेवा चयन आयोग

उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने अनुदेशक इंप्लाइबिलिटी स्किल, अनुदेशक पेंटर जनरल और अनुदेशक सर्वेयर की भर्ती परीक्षाओं की तिथियों में बदलाव किया है। आयोग के अनुसार अनुदेशक इंप्लाइबिलिटी स्किल की परीक्षा अब पहली दिसंबर के स्थान पर 11 दिसंबर को होगी। अनुदेशक पेंटर जनरल की परीक्षा 2 दिसंबर को और अनुदेशक सर्वेयर की परीक्षा 13 दिसंबर के स्थान पर 2 दिसंबर आयोजित होगी।

बदरीनाथ धाम

बदरीनाथ धाम यात्रा अपने अंतिम चरण में है। आगामी 17 नवंबर को रात नौ बजकर 7 मिनट पर मंदिर के कपाट बंद होंगे। इस वर्ष अब तक 12 लाख 80 हजार से अधिक तीर्थयात्री दर्शन कर चुके हैं। इसके साथ ही बदरीनाथ धाम पहुंचने वाले तीर्थयात्री देश के प्रथम गांव माणा का भ्रमण करने भी पहुंच रहे हैं। माणा समेत अन्य तीर्थस्थलों पर तीर्थयात्रियों के पहुंचने से व्यवसायियों के चेहरे खिले हुए हैं। मंदिर समिति के सीईओ विजय प्रसाद थपलियाल का कहना है कि यात्री व्यवस्थाओं को लेकर मंदिर समिति द्वारा व्यवस्थाएं सुचारु हैं। साथ ही ठंड को देखते हुए नगर पंचायत ने अलावा जलाए जा रहे हैं।

केदारनाथ निर्माण कार्य

केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने के बाद पैदल यात्रा मार्ग पर पुनर्निर्माण कार्य तेजी के साथ किए जा रहे हैं। वर्तमान में पुनःनिर्माण कार्यों में 700 से अधिक श्रमिक काम कर रहे हैं। लोकनिर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता विनय झिक्वांण ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत केदारनाथ में तीन चरणों में पुनर्निर्माण कार्य किया जा रहा है। इन दिनों दूसरे चरण के तहत भवन सहित पुल, सीवर लाइन, एसटीपी प्लांट आदि का निर्माण कार्य किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग का तीन मंजिला अस्पताल, बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति के भवन सहित कई कार्य अंतिम चरण में हैं। उन्होंने बताया कि पैदल मार्ग पर हिमखंड जोन पर सुरक्षा के इंतजाम किए जा रहे हैं, जिससे आगामी यात्राकाल में सुरक्षित यात्रा संचालन हो सके। श्री झिक्वांण ने बताया कि पैदल मार्ग से भी घोड़ा–खच्चरों से निर्माण सामग्री धाम में पहुंचाई जा रही है। इस वर्ष जुलाई माह में अतिवृष्टि से प्रभावित हुए केदारनाथ–गौरीकुंड पैदल मार्ग को भी सुरक्षित और सुलभ बनाया जा रहा है।

गंगा दीपोत्सव

हरिद्वार जिले में आज शाम हरकी पैड़ी पर भव्य गंगा दीपोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान तीन लाख से अधिक दीये गंगा घाट पर जलाये जाएंगे। साथ ही भव्य ड्रोन शो और भजन संध्य कार्यक्रम का आयोजन भी किया जायेगा। दीपोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत हरकी पैड़ी पर आज शाम 5 बजकर 55 मिनट से 6 बजकर 25 बजे के बीच 500 ड्रोन से भव्य और आकर्षक ड्रोन शो का प्रदर्शन होगा, जबकि नगर निगम और विभिन्न संगठनों के सहयोग से साढ़े छह बजे हरिद्वार के 50 घाटों पर लगभग साढे तीन लाख दीपक जलाए जायेंगे। इसके बाद शाम 6 बजकर 50 मिनट पर भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

इस बीच, गंगा दीपोत्सव के लिए सभी घाटों को 50 सेक्टर और 9 जोन में विभाजित किया गया है। इसके लिए सभी सेक्टर और जोनल अधिकारियों की तैनाती कर दी गई है। जिलाधिकारी ने बताया कि आयोजन के सफल संपादन के लिए जिलास्तरीय अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान

ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान– एम्स में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न कार्डियो–डायबिटिक रोगों के उपचार, निदान और प्रबंधन पर चर्चा की गई। सम्मेलन में हार्ट फेलियर के कारणों और प्रबंधन पर भी चर्चा की गई। सम्मेलन में मधुमेह और हृदय रोगों के बीच के संबंध पर प्रकाश डाला गया और मधुमेह के उपचार में नवीनतम तकनीकों और शोध को लेकर चर्चा की गई।

बेटी बचाओ

कोटद्वार में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की थीम पर बालिकाओं को प्रोत्साहित करने के लिए अंतर विद्यालयी बालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में कोटद्वार क्षेत्र के सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों के 24 टीमें हिस्सा ले रही है। प्रतियोगिता सीनियर और जूनियर दो वर्गो में आयोजित की जा रही है।